

भाकृअनुप-राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता में 3-दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण आयोजित किया गया

नवंबर 11, 2025, कोलकाता:

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम), वाणिज्यिक फसलें, कृषि विभाग, सहकारिता एवं किसान कल्याण, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित “जूट/मेस्टा/रेमी/सनभांग सहित अन्य संबंधित पहलुओं के उत्पादन एवं रीटिंग प्रौद्योगिकी” पर 03 दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण (एनएलटी) आज यहां उद्घाटन किया गया।

डायरेक्टर डॉ. डी. बी. शाक्यवार ने अपने भाषण में ICAR-NINFET द्वारा हाल ही में डेवलप की गई एडवांस्ड टेक्नोलॉजी के बारे में बताया, जो अलग-अलग स्टेकहोल्डर्स के लिए सही होंगी। उन्होंने जूट उगाने वाले राज्यों के साथ और ज़्यादा सहयोग करने की अपील की है ताकि जूट की सड़न और दूसरी चीज़ों पर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी को बेहतर तरीके से फैलाया जा सके।

ट्रांसफर ऑफ़ टेक्नोलॉजी डिवीज़न के हेड डॉ. एल. के. नायक ने जूट के अलग-अलग तरह के प्रोडक्ट्स के लिए इन ट्रेनिंग के स्कोप के बारे में बताया, जिसमें बढ़ती मार्केट डिमांड और एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी को ध्यान में रखा गया है। इस मौके पर, इंग्लिश में एक ट्रेनिंग मैनुअल भी रिलीज़ किया गया। प्रोग्राम को प्रोग्राम के साइंटिस्ट और को-कोर्स डायरेक्टर एर. एच. बाइटे ने कोऑर्डिनेट किया।

इस ट्रेनिंग में जूट उगाने वाले राज्यों ओडिशा और पश्चिम बंगाल के सात (07) अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

(सूत्र: आईसीएआर-राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता)

3-Days National Level Training conducted at ICAR-NINFET, Kolkata

11th November, 2025, Kolkata:

The 03-days National Level Training (NLT) on “Production and retting technology of Jute/Mesta/Ramie/ Sunnhemp including other Related Aspects” sponsored by National Food Security Mission (NFSM), Commercial Crops, Department of Agriculture, Co-operation & Farmers Welfare, Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, Govt. of India was inaugurated here today.

Dr. D. B. Shakyawar, Director in his address highlighted upon the recent advanced technologies developed by ICAR-NINFET which will be suitable for different stakeholders . He has urged for more coopertaion with jute growing states for better dissemination of advanced technologies on jute retting and other aspects.

Dr. L. K. Nayak, Head, Transfer of Technology Division briefed about the scope of these training for jute divesified products with regards to the growing market demand and environmental sustainability. On this occasion, one training manual in English was also released. The programme was coordinated by Er. H. Baite, Scientist & Co-Course Director of the programme.

Seven (07) officials from jute growing states of Odisha and West Bengal have participated in this training.

(Source: ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata)

कार्यक्रम की झलकियाँ/ Glimpses of the Event

